कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (8) खण्ड -{15}

सम्पूर्ण मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न सं 1-इनमें से कौन सा सही नहीं है?

A- आत्मा घड़ी-घड़ी एक शरीर छोड़

दूसरा लेती है।

B- इस समय जो तुम्हारा रूप है, दूसरे

जन्म में यह नहीं रहेगा।

C- आत्मा एक शरीर छोड़ दूसरा लेती है तो उनकी एक्टिविटी, ख्यालात आदि सब बदल जाते हैं।

D- एक्टेविटी भी बदलती रहती है - कभी कुत्ता, कभी बिल्ली की।

प्रश्न सं 2- अनेक आत्माओं का भविष्य बनाना है। 10-20 का नहीं, अनेक आत्माओं का सफल होना है। इसीलिए गायन है ?

A- बूँद-बूँद से तलाब।

B- बूँद-बूँद से घड़ा।

C- बूँद-बूँद से नदी।

D- बूँद-बूँद से समुद्र।

प्रश्न 3- बच्चे - अपने हार और जीत की हिस्ट्री को याद करो, यह सुख और दुःख का खेल है, इसमें.....सुख .....दुः ख हैं, इक्वल नहीं ?

A- 3/4, 1/4

B- 1/2, 1/2

C- 1/4, 3/4

D- 2/3, 1/3

प्रश्न 4- माताओं को विशेष कौन सा विघ्न आता है ?

A- मोह

B- बंधन

C- सम्बन्ध- सम्पर्क

D- माया

प्रश्न 5- इनमें से सही नहीं है- ?

A- बाप ने कहा है मुझे याद करो तो घर पहुँच जायेंगे।

B- स्वदर्शन चक्रधारी बनकर तुमको अन्त तक पुरूषार्थ करना है।

C- बाबा तो सिर्फ ज्ञान देने का पार्ट बजाते हैं। बाकी शरीर निर्वाह के लिए पुरूषार्थ बाप भी करेंगे।

D- उपरोक्त सभी सही है।

प्रश्न सं 6- लास्ट की सम्पूर्ण स्टेज क्या है ?

A- विदेही अवस्था

B- जीवनमुक्त अवस्था

C- न्यारी-प्यारी अवस्था

D- आत्माभिमानी अवस्था

प्रश्न सं 7- किसका सदा बैलेन्स रखते चलो?

A- ज्ञान और योग

B- सेवा और स्थिति

C- योग और सेवा

D-ज्ञान और धारणा

प्रश्न सं 8- लड़ाई है-

A- असुरों वा देवताओं की

B- पाण्डवों और कौरवों की

C- यवनों और कौरवों की

D- यादवों की आपस में

पार्ट (8) खण्ड {15} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर सं 1- D - *एक्टिविटी भी बदलती रहती है।

-ऐसे नहीं कभी कुत्ता-बिल्ली भी बनेंगे।* तुम्हारा तो जन्म बाई जन्म नाम, रूप, देश, काल बदलता जाता है। फीचर्स सदैव न्यारे मिलते हैं। यह कितनी गुह्य सूक्ष्म बातें हैं। *1)* तुम्हारी आत्मा घड़ी-घड़ी एक शरीर छोड़ दूसरा लेती है। *2)* इस समय जो तुम्हारा रूप है, दूसरे जन्म में यह नहीं रहेगा। एक न मिले दूसरे से। *3)* आत्मा एक शरीर छोड़ दूसरा लेती है तो उनकी एक्टिविटी, ख्यालात आदि सब बदल जाते हैं। आत्मा को कितना भिन्न-भिन्न पार्ट बजाना पड़ता है। भिन्न नाम, रूप, देश, काल एक्टिविटी से पार्ट बजाती है। *4)* *एक्टिविटी भी बदलती रहती है - कभी राजा की, कभी रंक की। ऐसे नहीं कभी कुत्ता-बिल्ली भी बनेंगे।* नहीं। अभी तुम जानते हो हम भविष्य में प्रिन्स-प्रिन्सेज बनने के लिए पुरुषार्थ करते हैं। मनुष्य से देवता बन रहे हैं।

उत्तर सं 2- A - *'बूँद-बूँद से तलाब'* ।

बाप गरीब-निवाज गाया हुआ है। अरब- खरबपति निवाज नहीं गाया हुआ है। बुद्धिवानों का बुद्धि क्या किसी अरब-खरबपति की बुद्धि को नहीं पलटा सकता? क्या बड़ी बात है! लेकिन ड्रामा का

बहुत अच्छा कल्याणकारी नियम बना हुआ है, परमात्म कार्य में फुरी-फुरी (बूंद-बूंद) तलाव होना है। *अनेक आत्माओं का भविष्य बनना है। 10-20 का नहीं, अनेक आत्माओं का सफल होना है। इसीलिए गायन है - 'बूँद-बूँद से तलाब'।* आप सभी जितना तन-मन- धन सफल करते रहते हो उतना ही सफलता के सितारे बन गये हो।

उत्तर सं 3- A - *3/4 1/4* "मीठे बच्चे - अपने हार और जीत की हिस्ट्री को याद करो, यह सुख और दु:ख का खेल है, *इसमें 3/4 सुख है, 1/4 दु:ख है, इक्वल नहीं"* बाप समझाते हैं यह जो ड्रामा बना हुआ है उसमें 3/4 सुख है, बाकी 1/4 कुछ न कुछ दु:ख है, इसलिए इसको सुख-दु:ख का खेल कहा जाता है। बाप जानते हैं मुझ बाप को सिवाए तुम बच्चों के कोई जान नहीं सकते।

उत्तर सं 4- A - *मोह* कोई भी आसक्ति चाहे देह की, चाहे तो देह के पदार्थों की कोई भी आसक्ति उत्पन्न हो तो उस समय यही याद रखो कि मैं शक्ति हूँ। शक्ति में फिर आसक्ति कहाँ? आसक्ति के कारण उस स्थिति में आ नहीं सकते हैं। तो

आसक्ति को खत्म कर दो। इसके लिए यही सोचो कि मैं शक्ति हूँ *माताओं को विशेष कौन सा विघ्न आता है? (मोह) मोह किस कारण आता है? मोह मेरा से होता है।* लेकिन आप सबका वायदा क्या है? शुरू-शुरू में आप सब-जब आये तो आपका वायदा क्या था? मैं तेरी तो सब कुछ तेरा।

उत्तर सं 5- C - *1)* आत्मा को ज्ञान मिला हुआ है। आत्मा को दर्शन हुआ है। आत्मा जानती है हम ऐसे-ऐसे चक्र लगाते हैं। अब फिर जाना है घर। *बाप ने कहा है मुझे याद करो तो घर पहुँच जायेंगे।* ऐसे भी नहीं है कि इस समय तुम उस अवस्था में बैठ जायेंगे।

2) यहाँ तो बाप कहते हैं और सब बातों को समेट एक को ही याद करो। श्रीमत मिलती है उस पर चलना है। *स्वदर्शन चक्रधारी बनकर तुमको अन्त तक पुरूषार्थ करना है।* पहले तो कुछ पता नहीं था, अब तो बाप बतलाते हैं। उनको याद करने से सब-कुछ आ जाता है। रचयिता और रचना के आदि-मध्य-अन्त का सारा राज़ बुद्धि में आ जाता है।

3) तुम बच्चे पार्टधारी हो। *बाबा तो सिर्फ ज्ञान देने का पार्ट बजाते हैं। बाकी शरीर निर्वाह के लिए पुरूषार्थ तुम करेंगे।* बाबा

तो नहीं करेंगे ना। बाप तो आते ही हैं बच्चों को समझाने के लिए कि यह वर्ल्ड की हिस्ट्री-जॉग्राफी कैसे-कैसे रिपीट होती है, चक्र कैसे फिरता है। यह समझाने के लिए ही आते हैं।

उत्तर सं 6- A विदेही अवस्था।

ये स्थिति राजयोग की सबसे अंतिम और उत्कृष्ट स्थिति है। इसे हम कर्मातीत अवस्था या स्थिति के रूप में भी जानते हैं। ये स्थिति तो हमें पुरुषार्थ की पराकाष्ठा में अन्त समय में ही मिलनी है।

उत्तर सं 7- B सेवा और स्थिति।

सेवा और स्थिति में सदा बैलेंस रखते चलो। स्थिति बनाने में थोड़ी मेहनत लगती है और सेवा तो सहज हो जाती है, इसलिए सेवा का पलड़ा थोड़ा स्थिति से ऊंचा हो जाता है। बैलेंस रखो और बापदादा की सर्व सेवा करने वाले संबंध संपर्क में आने वाले ब्राह्मण परिवार की ब्लेसिंग लेते चलो। दुआओं का खाता बहुत जमा करो।

उत्तर सं 8- C यवनों और कौरवों की।

बाबा कहते कौरवों और पाण्डवों की लड़ाई कभी होती नहीं क्योंकि पाण्डव होते हैं प्रीत बुद्धि और कौरव होते हैं विपरीत बुद्धि उनको लड़कर करना क्या है। लड़ाई होती है कौरवों और यादवों में, यादव या यवनों माना विज्ञान बुद्धि,विनाशकारी साधनों को बनाने वाले और कौरव माना परमात्म विपरीत बुद्धि या दुष्ट बुद्धि वाले, इसलिए उनकी लड़ाई होती है। पाण्डवों को लड़ने की जरूरत ही नहीं, पाण्डवों के पास लड़ने का कोई संकल्प ही नहीं है क्योंकि पाण्डव हैं आत्म स्मृति में, पाण्डवों को लड़ना है अपनी ही कमियों और कमजोरियों से, उनकी बुद्धि में है ये सब आत्माए हैं, एक बाप के बच्चे हैं, एक घर से आए हुए हैं और एक ही घर जाना है।

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (8) खण्ड -{16}

सम्पूर्ण मुरलियों पर अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न सं 1-अमृतवेला विशेष..... की वेला है, इसका महत्व जान पूरा लाभ लो।

A- वरदान प्राप्ति

B- प्रभू पालना

C- उमंग उल्लास

D- झोली भरने

प्रश्न सं 2- क्या सदाकाल के लिए डबल लाइट फरिश्ता बनने नहीं देता?

A- आलस्य - अलबेलापन।

B- व्यर्थ वा निगेटिव - का बोझ।

C- माया रुपी विकार।

D- देहाभिमान।

प्रश्न सं 3- 5 हजार वर्ष पहले इन लक्ष्मी-नारायण का राज्य था। फिर लक्ष्मी-नारायण दी फर्स्ट, सेकेण्ड, थर्ड चलते हैं।.. गद्दियाँ चलती हैं।

A- 21

B- 8

C- 108

D- 16108

प्रश्न सं 4-सर्वव्यापी का ज्ञान पहले नहीं था। कहते थे परमात्मा..... है।

A- अदृश्य

B- समझ ते परे

C- बेअन्त

D- नेति-नेति

प्रश्न सं 5-ब्रह्मा मुख वंशावली ब्राह्मण-ब्राह्मणियाँ ही..... बनते हैं ?

A-त्रिकालदर्शी

B- त्रिनेत्री

C- त्रिलोकीनाथ

D-इनमें से कोई नहीं

प्रश्न सं 6- यही संगमयुग चढ़ती कला का युग इसमें ..... ?

A- हर सेकंड सफल करना चाहिए

B- निरन्तर आगे बढ़ते रहना चाहिए

C- बुद्धि से काम लेना चाहिए।

D- कोई गफलत नहीं करनी चाहिए

प्रश्न सं 7- ब्रह्मा समान हर संकल्प, बोल और कर्म में पवित्रता इसको क्या कहा जाता है ?

A- ब्रहाचारी और ब्रह्माचारी

B- शिवबाबा समान

C- ब्रह्मा बाप समान

D- ब्रह्मा बाप के नक्शे कदम

प्रश्न सं 8- कौरव पाण्डव की कोई युद्ध नहीं हुई है। यह तो..... युद्ध की है ?

A- पाण्डवों ने माया से

B- पाण्डवों ने यादवों से

C- पाण्डवो ने रावण से

D- पाण्डवों ने कंस से

पार्ट (8) खण्ड {16} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर सं 1. B प्रभू पालना

अमृतवेला डायमण्ड मॉर्निंग अर्थात वरदानी समय है। अमृतवेला परमात्म मिलन का वेला है, ये प्रभु पालना की वेला है। अमृतवेला वरदानी समय है सहज वरदान प्राप्त करने की वेला है।

जो गायन है मन इच्छित फल प्राप्त करना, यह इस समय अमृतवेले का ही गायन है।

उत्तर सं 2. B व्यर्थ वा निगेटिव - का बोझ।

फरिश्ता स्थिति का अनुभव करने के लिए किसी भी प्रकार के व्यर्थ और निगेटिव संकल्प, बोल वा कर्म से मुक्त बनो। *व्यर्थ वा निगेटिव - यही बोझ सदाकाल के लिए डीप साइलेन्स का अनुभव करने नहीं देता।* अब व्यर्थ बोझ से सदा हल्के बन डबल लाइट फरिश्ता बनो।

उत्तर सं 3. B 8

भारत में पवित्र गृहस्थ धर्म था, जिन्हों के चित्र हैं। लक्ष्मी-नारायण का राज्य था परन्तु वह कब स्थापन हुआ - यह कोई जानते नहीं। कल्प की आयु लाखों वर्ष कह देते हैं। तुम बच्चों को समझाया जाता है - 5 हजार वर्ष पहले इन लक्ष्मी-नारायण का राज्य था। फिर लक्ष्मी-नारायण दी फर्स्ट, सेकेण्ड, थर्ड चलते हैं। *आठ गद्दियाँ चलती हैं।* फिर चन्द्रवंशी में 12 चलती हैं। डिनायस्टी होती है ना। मुगलों की डिनायस्टी, सिक्खों की डिनायस्टी....।

बच्चों को समझाया जाता है - 5000 वर्ष पहले भारत में एक ही लक्ष्मी-नारायण का राज्य था। वर्ल्ड आलमाइटी अथॉरिटी गवर्मेन्ट थी। वह बाप ही बनाते हैं।

उत्तर सं 4. C बेअन्त

मनुष्य तो क्या-क्या बातें सुनाकर माथा ही खराब कर देते हैं। बाप कहते हैं यह फिर भी होना ही है। *सर्वव्यापी का ज्ञान पहले नहीं था। कहते थे परमात्मा बेअन्त है।* बेअन्त कह फिर उनको सर्वव्यापी कहना कितनी बड़ी भूल है। शिवोहम् ततत्वम् कह देते हैं। कभी शिवोहम्, कभी फिर ब्रह्मोहम् भी कह देते। यह फिर राँग हो जाता है। ब्रह्म तो रहने का स्थान है। शिव बाबा ब्रह्म तत्व में रहते हैं इसलिए उनका नाम ब्रह्माण्ड है।

उत्तर सं 5. A त्रिकालदर्शी

बाप कहते हैं यह देह का भान छोड़ अपने को आत्मा निश्चय कर मुझ बाप को याद करो। तुम धक्के खाकर थक गये हो। *ब्रह्मा मुख वंशावली ब्राह्मण-ब्राह्मणियाँ ही त्रिकालदर्शी बनते हैं।* बनाने वाला है बाप।

उत्तर सं 6. C बुद्धि से काम लेना चाहिए।

कहा जाता है कि यह संगमयुग चढ़ती कला का युग है और इसमें बुद्धि से काम लेना चाहिये। *इस युग को या समय को ड्रामानुसार वरदान मिला हुआ है - 'चढ़ती कला सर्व का भला'*

उत्तर सं 7. A* ब्रहाचारी और ब्रह्माचारी।

बापदादा ने सबसे पहला व्रत कौन-सा दिया? जब स्मृति का तिलक लगा तो पहला-पहला व्रत कौन सा लिया? याद है ना? सम्पूर्ण पवित्र भव। बाप ने कहा और बच्चों ने धारण किया। तो पवित्रता का व्रत सिर्फ ब्रह्मचर्य का व्रत नहीं लेकिन *ब्रह्मा समान हर संकल्प, बोल और कर्म में पवित्रता - इसको कहा जाता है ब्रह्मचारी और ब्रह्माचारी।* हर बोल में पवित्रता का वायब्रेशन समाया हुआ हो। हर संकल्प में पवित्रता का महत्त्व हो। हर कर्म में, कर्म और योग अर्थात् कर्मयोगी का अनुभव हो - इस्को कहा जाता है ब्रह्माचारी।

उत्तर सं 8. A* पाण्डवों ने माया से।

अभी हम कोई मायाप्रूफ नहीं हो गये हैं। अगर आत्मा कम्पलीट हो गयी तो शरीर भी कम्पलीट होना चाहिए। परन्तु नहीं, अभी अनकम्पलीट शरीर में बैठे हैं, तो इसका मतलब कि आत्मा कुछ अनकम्पलीट है। लेकिन घड़ी-घड़ी माया की अंगूरी नहीं खानी है, इससे चोट लगती है, फिर वह रजिस्टर अच्छा नहीं रहेगा। नाम तो खराब होगा ना। माया बहुत युक्तिबाज़ होके गिराती है। यही तो हमारी माया से लड़ाई है, *बाकी कौरव पाण्डव की कोई युद्ध नहीं हुई है। यह तो पाण्डवों ने माया से युद्ध की है।*